कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

Email address principalgckota@gmail.com,

दिनांक 3.7.2023

रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालय, कोटा में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूर्व आचार्यो का सम्मान

आज दिनांक 3.7.2023 को राजकीय महाविद्यालय, कोटा में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग में सम्मान कार्यक्रम तथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर रघुराज परिहार, सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा, परिक्षेत्र कोटा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना तथा आचार्यो के सम्मान के साथ हुआ। कार्यक्रम को आगे बढाते हुए "भारतीय संस्कृति में ऋतु अनुरुप आहार परम्परा तथा इसकी वैज्ञानिकता " विषय पर परिचर्चा की गई। परिचर्चा में मुख्य वक्ता प्रोफेसर रघुराज परिहार ने भारतीय परम्परागत आहार तथा स्वास्थ्य के संबंध में विस्तार से अपने विचार रखे। मानव स्वास्थ्य परमौसम के अनुरुप भोज्य तथा वर्ज्य प्रदार्थो का पारम्परिक ज्ञान वर्तमान वैज्ञानिक कसौटी पर पूर्णतया सही है।

डॉ. सन्तोष कुमार जैन, पूर्व प्राचार्य ने आहार में विभिन्न घटक की अनिवार्यता का महत्व समझाया। जिस स्थान पर व्यक्ति रहता हे वहाँ उगने वाले फल तथा सब्जी का सेवन भी उसके स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

प्राणी शास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुरभी श्रीवास्तव ने प्रत्येक दिन के अनुरुप भोजन व्यवस्था का मेन्यू बताया जैसे सोमवार के दिन सफेद रंग का आहार लिया जाये। हमारे अंचल में प्रचलित कहावत "सावन दुध, भादो दही, क्वार करेला, कार्तिक छाछ" न खाये, और खा ले तो मरे नही पडे सही।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी आचार्यो, उत्तरार्द्ध छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफसर अरुण कुमार, प्राचार्य ने की तथा कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सुब्रत शर्मा ने की तथा अन्त में धन्यवाद प्रोफेसर कुसुम डंग ने ज्ञापित किया।

प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय,
कोटा